ब्लूटूथ किट पहनकर भर्ती परीक्षा में नकल करने वाला बदमाश एसओजी के हत्थे चढ़ा

कनिष्ठ लेखाकार एवं तहसील राजस्व लेखाकार भर्ती-2015 में की थी नकल

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। कनिष्ठ लेखाकार एवं तहसील राजस्व लेखाकार (जेए-टीआरए) भर्ती-2015 परीक्षा में ब्लूटूथ के जरिए नकल कराने के बहुचर्चित मामले में फरार चल रहे एक वांछित आरोपी को स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी लंबे समय से फरार था और उसकी तलाश की जा रही थी।

एडीजी (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी नवल किशोर (40) निवासी मंडावरी, दौसा है, जिसे शनिवार को दबिश देकर पकड़ा गया। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है और गिरोह से जुड़े अन्य तथ्यों की पड़ताल की जा रही है।

आरोपी नवल किशोर

जानकारी के अनुसार, राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी), अजमेर की ओर से अगस्त 2015 में कनिष्ठ लेखाकार एवं तहसील राजस्व लेखाकार के पदों के लिए भर्ती परीक्षा आयोजित की गई थी। इस परीक्षा में संगठित गिरोह ने बाड़मेर, जालोर, जोधपुर सहित विभिन्न स्थानों से मोबाइल नेटवर्क के माध्यम से अभ्यर्थियों को नकल करवाई थी।

■ जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी नवल किशोर को परीक्षा से पहले ही ब्लूटूथ किट उपलब्ध करवाई गई थी। वह ब्लूटूथ डिवाइस पहनकर परीक्षा केंद्र में प्रवेश किया और दोनों पारियों में संदिग्ध मॉड्यूल के जरिए नकल की।

जांच में सामने आया कि गिरोह के सदस्य अलग-अलग स्थानों पर एकत्र होकर परीक्षा शुरू होने के बाद मोबाइल के जरिए प्रश्न-पत्र प्राप्त करते थे। इसके बाद विषय विशेषज्ञों से प्रश्न हल करवाकर ब्लूटूथ डिवाइस के माध्यम से परीक्षा केंद्रों पर बैठे अभ्यर्थियों तक उत्तर पहुंचाए जाते थे।

आरपीएससी जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी नवल किशोर को परीक्षा से पहले ही ब्लूटूथ किट उपलब्ध करवाई गई थी। वह ब्लूटूथ डिवाइस पहनकर परीक्षा केंद्र में प्रवेश किया और दोनों पारियों में संदिग्ध मॉड्यूल के जरिए नकल की। मामले के खुलासे के बाद आरपीएससी ने उसे परीक्षा और साक्षात्कार से डिबार कर दिया था। एसओजी के अनुसार, इस प्रकरण में अब तक गिरोह के मास्टरमाइंड सहित कुल 22 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें मोहनलाल विश्नोई (जालेली, जोधपुर), जगदीश ज्याणी (दाता, जालोर), जगदीश विश्नोई (खारा करड़ा, जालोर), ओमप्रकाश ढाका (पुर, जालोर), बंटू उर्फ जोगाराम जाट (खारा करड़ा, जालोर), पम्माराम विश्नोई (पटवारी, मालवाड़ा, जालोर), शिक्षक रामनिवास विश्नोई (भादेराना, जालोर), शिक्षक मनोहरलाल सुथार (कारोला, जालोर) और पीटीआई हरीराम विश्नोई (बूल, बाड़मेर) सहित अन्य शामिल हैं।

बगरू में केमिकल टैंकर पलटने से गैस रिसाव

गलत दिशा से आ रही थार गाड़ी को बचाने के चक्कर में हुआ हादसा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। बगरू थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया, जब रॉन्ग साइड से आ रही थार के कारण केमिकल से भरा टैंकर बेकाबू होकर पलट गया। टैंकर में मेथलोन केमिकल भरा हुआ था। हादसा नेशनल हाईवे-48 पर बगरू के पास होटल हाईवे किंग के सामने करीब ढाई बजे हुआ।

हादसे के बाद टैंकर से गैस का रिसाव शुरू हो गया, जिससे आसपास के इलाके में हडकंप मच गया। सूचना मिलते ही बगरू थाना पुलिस, सिविल डिफेंस और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। एहतियात के तौर पर प्रशासन ने आसपास के क्षेत्र को खाली कराने और लोगों को सुरक्षित

■ सूचना पाकर पुलिस, सिविल डिफेंस और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया।

दूरी बनाए रखने की अपील की।

गैस रिसाव की गंभीरता को देखते हुए हाईवे और आसपास के मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्ट कर दिया गया। पुलिस मौके पर ट्रैफिक को वैकल्पिक मार्गों से निकालती रही, ताकि किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

बगरू थानाधिकारी राजेंद्र गोदारा ने बताया कि टैंकर में ड्राइवर और खलासी मौजूद थे, जबकि थार में चार लोग सवार थे। हादसे के बाद थार भी पलट गई, लेकिन उसमें सवार चारों लोग मौके से फरार हो गए। पुलिस वाहन नंबर के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी है।

करीब दो घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद स्थिति को नियंत्रण में लाने के प्रयास किए गए। फिलहाल किसी जनहानि की सूचना नहीं है, लेकिन गैस रिसाव के कारण क्षेत्र में स्थिति संवेदनशील बनी हुई है। सिविल डिफेंस की टीम केमिकल की प्रकृति की जांच और रिसाव को पूरी तरह नियंत्रित करने में जुटी है। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि घटनास्थल के आसपास भीड़ न लगाएं और अफवाहों से बचें।

नेपाल में जयपुर फुट शिविर लगाया

जयपुर। नेपाल के लुम्बिबानी राज्य के अन्तर्गत बंके नगर के 17 पुरूष और महिलाओं को विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट लगाकर पुर्नगठित किया गया। विनिता शर्मा, जो बंके पंगता महिला संघ की सचिव है, बंके जिले के पुरूष और महिलाओं को बंके नगरपालिका और जन सहयोग से जयपुर लाती हैं जहाँ भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति इन दिव्यांगों के नि:शुल्क कृत्रि पैर और कृत्रिम हाथ नि:शुल्क प्रदान करती हैं। भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के सहयोग से अब तक 300 नेपाली विकलांगों का पुर्नवास किया जा चुका हैं । नेपाल के इन विकलांगों के दल की नेत्री विनिता शर्मा स्वयं विकलांग और वह विकलांगों की पीड़ा समझते हैं, उनके कल्याणार्थ कार्य करती हैं । इस बार 13 पुरूष और चार महिलाओं को नि:शुल्क पुर्नवास हुआ।

44 साल पहले हटाए गए कर्मचारियों को 5-5 लाख रु. अदा करने के आदेश

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने साल 1982 में अरबन कॉपरेटिव बैंक, जयपुर से हटाए गए करीब डेढ़ दर्जन कर्मचारियों को बैंक प्रबंधन की ओर से दो माह में पांच-पांच लाख रुपए अदा करने को कहा है। अदालत ने कहा कि इन कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति उम्र हो गई है। ऐसे में अब इन्हें बहाल करने का कोई औचित्य नहीं है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने यह आदेश एमडी, अरबन कॉपरेटिव बैंक, जयपुर की ओर से दायर अपील का निस्तारण करते हुए दिए।

मामले के अनुसार राजस्थान कॉपरेटिव कर्मचारी यूनियन की ओर से फरवरी, 1982 में बैंक प्रशासन को कर्मचारियों का मांग पत्र दिया गया। इस

■ वर्ष 1982 में अरबन कॉपरेटिव बैंक, जयपुर से हटाए गए करीब डेढ़ दर्जन कर्मचारियों को हाईकोर्ट से राहत

पर बैंक प्रबंधन ने मांग पत्र देने से जुड़े करीब डेढ़ दर्जन कर्मचारियों को सितंबर, 1982 में सेवा से हटा दिया। मामला औद्योगिक विवाद न्यायाधिकरण में आने पर एक अप्रैल, 1991 को न्यायाधिकरण ने एक कर्मचारी त्रिलोकचंद के पक्ष में अवार्ड जारी करते हुए अन्य को हटाने को सही माना। इन आदेशों के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। इस पर हाईकोर्ट की एकलपीठ ने मामला पुनः सुनवाई के लिए भेज दिया। न्यायाधिकरण की ओर से जुलाई 2005 में बैंक प्रशासन की कार्रवाई को अवैध मानते हुए कर्मचारियों को बकाया भुगतान सहित सेवा में लेने को कहा। इसके खिलाफ दायर याचिका को हाईकोर्ट ने पचास हजार रुपए के हर्जाने से साथ खारिज कर दी। इसे खंडपीठ में चुनौती देते हुए बैंक प्रशासन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एके शर्मा ने कहा कि इन कर्मचारियों की सेवा संविदा के तौर पर पानी-बिजली के बिल जमा कराने के लिए की गई थी और वे बैंक कर्मचारी भी नहीं हैं। इसके अलावा बैंक ने प्रत्येक कर्मचारी को 3.60 लाख रुपए देने का प्रस्ताव भी दिया था। इसकी उम्र को देखते हुए भी इन्हें बहाल नहीं किया जा सकता।

कड़ी सुरक्षा के बीच एस.आई. भर्ती परीक्षा संपन्न

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से इस साल की सबसे बड़ी परीक्षाओं में शुमार उपनिरीक्षक एवं प्लाटून कमांडर भर्ती (एसआई भर्ती) परीक्षा सोमवार को दूसरे दिन शांतिपूर्वक संपन्न हो गई। सोमवार को भी परीक्षा दो पारियों सुबह 11 से दोपहर एक बजे तक तथा द्वितीय सत्र दोपहर 3 बजे से सांय 5 बजे तक में हुई। एसआई भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन भी सुरक्षा के इंतजाम पुख्ता रहे। ड्रेस कोड का पालन करने वालों को ही प्रवेश दिया गया। जूते-जेवर पहनकर आने वालों से उतरवाए गए। लेट पहुंचने वालों को प्रवेश नहीं दिया गया। एसआई भर्ती परीक्षा के लिए परीक्षा केन्द्रों पर पुख्ता बंदोबस्त किए गए थे। श्री लेयर चैकिंग के बाद में ही परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्रों के भीतर प्रवेश दिया गया।

दलाल 30 हजार रुपए की रिश्वत गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की दौसा इकाई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए समाज कल्याण विभाग में रिश्वतखोरी के मामले का खुलासा किया है। एसीबी टीम ने वेरिफायर रितेश कुमार शर्मा और उसके दलाल राजू नट को 30 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी चौकी दौसा को एक परिवादी ने शिकायत दी थी कि समाज कल्याण विभाग में कार्यरत वेरिफायर रितेश कुमार शर्मा, दलाल राजू नट और एक अन्य सहयोगी बलवान गुर्जर उससे अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन राशि जारी करने के बदले 70 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहे हैं। शिकायत के सत्यापन के दौरान यह सामने आया कि आरोपी पहले ही परिवादी से 10 हजार रुपए नकद और 30 हजार रुपए ऑनलाइन ले चुके थे तथा शेष राशि के लिए दबाव बना रहे थे।

आरोपी रितेश शर्मा और राजू नट

इस पर एसीबी जयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस अनिल कयाल के सुपरविजन में दौसा इकाई ने ट्रैप की योजना बनाई। उप अधीक्षक पुलिस रविंद्र सिंह के निर्देशन में पुलिस निरीक्षक रमेश चंद और उनकी टीम ने कार्रवाई करते हुए दलाल राजू नट को परिवादी से 30 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया।

इसके बाद मुख्य आरोपी रितेश कुमार शर्मा को उसके कार्यालय से डिटेन कर मौके पर लाया गया और गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं मामले में शामिल अन्य दलाल बलवान गुर्जर की तलाश जारी है।

नगर निगम आयुक्त ने कुर्सी संभालते ही अफसरों को दिया 7 दिन का अल्टीमेटम

करीब 1 घंटे तक विभिन्न शाखाओं का औचक निरीक्षण करने के बाद सभी व्यवस्थाएं दुरूस्त 7 दिन में करने की हिदायत दी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नगर निगम के नवनियुक्त आयुक्त ओम कसेरा ने सोमवार को कार्यभार संभालते ही पहले ही दिन नगर निगम के विभिन्न शाखाओं का लगभग एक घंटे से भी अधिक समय तक औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को आवष्यक दिशा-निर्देश दिए।

आयुक्त ने नगर निगम की कार्मिक शाखा, उद्यान शाखा, राजस्व शाखा, सतर्कता शाखा, होर्डिग शाखा, ई-गर्वेनेन्स शाखा, आयोजना शाखा, अटल सेवा केन्द्र, जन सहायता केन्द्र, कॉल सेन्टर, शिशु पालना गृह सहित विभिन्न शाखाओं व स्थानों का निरीक्षण किया। इसके साथ ही आयुक्त ने निगम मुख्यालय के शौचालयों व पार्किंग का भी निरीक्षण किया। आयुक्त ने जगह-जगह अव्यवस्थित रूप से पडे हुये कबाड़, पुरानी अलमारियों, टूटी हुई कुर्सियों को हटाने के निर्देश दिये साथ ही अधिकारियों को व्यवस्थाओं को सुधारने के लिये 7 दिन का समय दिया।

नगर निगम के नवनियुक्त आयुक्त ओम कसेरा ने नगर निगम मुख्यालय का दौरा करके औचक निरीक्षण किया।

आयुक्त ने अटल सेवा केन्द्र, जन सहायता केन्द्र का भी औचक निरीक्षण किया। वहां की व्यवस्थाओं को बारीकी से समझा तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

नवनियुक्त आयुक्त ओम कसेरा ने कहा कि आमजन के काम चाहे वह जन्म-मृत्यु/विवाह प्रमाण पत्र हो, किसी प्रकार की एनओसी हो, भवन निर्माण स्वीकृति हो या कोई भी काम जो आमजन से जुड़ा है। उसे समयबद्ध और सुव्यवस्थित तरीके से करवाना हमारी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि जयपुर शहर को साफ, सुन्दर और ग्रीन सिटी बनाने के लिये विषेष प्रयास किये जायेगे। आयुक्त ने कहा कि नगर निगम के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी एक टीम के रूप में कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि निगम के राजस्व को बढ़ाने के लिये हर संभव प्रयास किये जायेगे।

फिजियो समिट में देशभर के विशेषज्ञों ने की चर्चा

जयपुर। राजधानी जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में सोमवार से दो दिवसीय राजस्थान फिजियो समिट-2026 का शुभारंभ हुआ। "फिजियोथेरेपी से फिजियोपैथी" थीम पर आयोजित इस समिट के पहले दिन देशभर से आए विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और छात्रों की उल्लेखनीय भागीदारी रही।

कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। उद्घाटन सत्र में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने और अन्य विशिष्ट अतिथियों ने फिजियोथेरेपी के बदलते स्वरूप, आधुनिक तकनीकों और स्वास्थ्य क्षेत्र में इसकी बढ़ती उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

समिट में राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) प्रमोद येओले, एम्स जोधपुर के अध्यक्ष डॉ. एस.एस. अग्रवाल सहित विभिन्न संस्थानों के प्रमुख भी मौजूद रहे। स्वागत उद्बोधन प्रो. (डॉ.) ध्रुव तनेजा ने दिया। प्रो. (डॉ.) ध्रुव तनेजा ने बताया कि तकनीकी सत्रों में देशभर के विशेषज्ञों ने रिसर्च, क्लिनिकल प्रैक्टिस और नई उपचार पद्धितयों पर विस्तृत चर्चा की। प्रमुख वक्ताओं में डॉ. अली ईरानी, डॉ. आलाप शाह, डॉ. नितेश बंसल, डॉ. पल्लव भटनागर और प्रो. (डॉ.) एम. बालागणपति शामिल रहे, जिन्होंने फिजियोथेरेपी के विभिन्न आयामों पर अपने विचार साझा किए। दोपहर बाद आयोजित सत्रों में डॉ. अतुल शर्मा,डॉ. कपिला जैन ,डॉ. सुरेश नागर और डॉ अरुण कुमार शर्मा ने फुट बायोमैकेनिक्स, न्यूरोलॉजिकल कंडीशंस, कैंसर उपचार में फिजियोथेरेपी की भूमिका सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर गहन मंथन हुआ। प्रतिभागियों ने सवाल-जवाब के माध्यम से सक्रिय सहभागिता निभाते हुए अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किए। इसके अलावा रामबाबू शर्मा,राजेंद्र चौधरी,अनिल गुप्ता और हरीश राजानी का भी विशेष सहयोग रहा।

आयोजन अध्यक्ष डॉ. दीपक सिंह ने बताया कि समिट का उद्देश्य फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में ज्ञानवर्धन, नवाचार को बढ़ावा देना, शोध को प्रोत्साहित करना तथा चिकित्सकों और छात्रों के बीच संवाद स्थापित करना है। दिनभर चले सत्रों ने प्रतिभागियों को नई तकनीकों और व्यावहारिक जानकारी से समृद्ध किया।

चाय की थड़ी में आग के बाद गैस सिलेंडर ब्लास्ट

जयपुर। करणी विहार क्षेत्र में रविवार-सोमवार की मध्यरात्रि एक चाय की थडी में आग लगने के बाद गैस सिलेंडर में हुए विस्फोट से इलाके में दहशत फैल गई। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

पुलिस के अनुसार घटना धावास क्षेत्र की है, जहां खाली जगह पर संचालित एक चाय की थड़ी सोमवार रात बंद कर दी गई थी। थड़ी मालिक रोज की तरह दुकान लॉक कर घर चला गया। देर रात करीब 2 बजे बंद थड़ी में अचानक आग लग गई। आग की लपटें उठती देख आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया और तुरंत पुलिस व फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही करणी विहार थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। आग बुझाने का प्रयास किया जा रहा था कि इसी दौरान थड़ी में रखा गैस सिलेंडर अचानक तेज धमाके के साथ फट गया। विस्फोट इतना जोरदार था कि सिलेंडर के टुकड़े दूर-दूर जा गिरे। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी, फायरकर्मी और स्थानीय लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागे। थानाधिकारी हवा सिंह ने बताया कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

प्यार के जाल में फंसाकर ड्रग्स सप्लाई करवाने वाली महिला तस्कर और उसके साथी गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। शास्त्री नगर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए युवाओं को प्रेमजाल में फंसाकर ड्रग्स सप्लाई करवाने वाली महिला तस्कर और उसके साथी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 150 ग्राम एमडी ड्रग, 1.987 किलो गांजा और तस्करी में प्रयुक्त स्कूटी बरामद की है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में मीनू गुप्ता (33) निवासी हनुमान नगर द्वितीय, लालचंदपुरा खोरा बिसल और सिकंदर (29) निवासी संजय नगर झोटवाड़ा शामिल हैं। मामले में पुलिस ने महिला तस्कर से दोस्ती कर उसके तौर-तरीकों की जानकारी जुटाई और उसी रणनीति से कार्रवाई करते हुए उसे दबोचा।

थानाधिकारी दिलीप सिंह के अनुसार जांच में सामने आया कि मीनू गुप्ता काफी समय से ड्रग्स तस्करी में सक्रिय थी। वह खुद को राजस्थान होमगार्ड में स्वयंसेवक बताकर लोगों का विश्वास जीतती थी और नए युवकों को प्रेमजाल में फंसाकर उनसे ड्रग्स सप्लाई करवाती

■ आरोपियों के कब्जे से 150 ग्राम एमडी ड्रग, 1.987 किलो गांजा और तस्करी में प्रयुक्त स्कूटी बरामद

थी। साथ ही अपनी ऊंची पहुंच का डर दिखाकर उन्हें पुलिस से बचने के तरीके भी सिखाती थी।

पुलिस ने सिकंदर को अंबाबाड़ी क्षेत्र में द्रव्यवती नदी के पास से गिरफ्तार किया, जिसके कब्जे से 25 ग्राम एमडी ड्रग और एक एक्टिवा स्कूटी बरामद की गई। वहीं खोरा बिसल के लालचंदपुरा क्षेत्र से महिला मास्टरमाइंड मीनू गुप्ता को पकड़ा गया, जिसके पास से 125 ग्राम एमडी और 1.987 किलो गांजा मिला।

जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी पॉश इलाकों, स्कूल-कॉलेजों और फैक्ट्री क्षेत्रों को निशाना बनाकर ड्रग्स सप्लाई करते थे। सप्लाई के दौरान महिला तस्कर खुद निगरानी रखती थी। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

जयपुर में पहली बार क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन होगा

इस जोनल कॉन्फ्रेंस में गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और राजस्थान सहित पांच राज्यों के कृषि मंत्री, प्रमुख सचिव, सचिव, निदेशक और वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में कृषि क्षेत्र को नई दिशा देने और बदलती जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप प्रभावी रणनीति तैयार करने के उद्देश्य से 7 अप्रैल, मंगलवार को जयपुर में पहली बार क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन, पश्चिम क्षेत्र जोनल कॉन्फ्रेंस का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन की अध्यक्षता केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान करेंगे तथा मुख्य अतिथि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा रहेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात: 10:00 बजे वंदे मातरम् के साथ किया जाएगा।

आयुक्त कृषि नरेश कुमार गोयल ने बताया कि सम्मेलन को विशेष और यादगार बनाने के लिए पारंपरिक राजस्थानी संस्कृति को प्रमुखता दी जा रही है। अतिथियों का स्वागत सांगानेरी प्रिंट के दुपट्टे (पटका) पहनाकर किया जाएगा, जिससे राज्य की समृद्ध हस्तशिल्प कला को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी। उन्होंने बताया कि श्री अन्न (मिलेट्स) को बढ़ावा देने के लिए अतिथियों को मिलेट्स से निर्मित बिस्किट, कुकीज, आम पापड़, खाखरा जैसे उत्पाद उपहार स्वरूप दिए जाएंगे। साथ ही भोजन में बाजरे का चूरमा, मिलेट्स लड्डू,

■ कृषि आत्मनिर्भरता, सतत विकास एवं डिजिटल कृषि को बढ़ावा देने पर विशेष फोकस रहेगा

रागी हलवा, दाल-बाटी-चूरमा जैसे पारंपरिक व्यंजन परोसे जाएंगे। राजस्थानी संस्कृति के अनुरूप अतिथियों को गोविंद देव जी मंदिर एवं काले हनुमानजी मंदिर के दर्शन भी करवाए जाएंगे।

सम्मेलन के दौरान प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी मंजू राजपाल द्वारा पर ड्रॉप मोर क्रॉप पहल के अंतर्गत राज्य में अपनाई गई सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया जाएगा। राजस्थान में कुल 99.28 लाख हैक्टेयर सिंचित क्षेत्र है जिसमें से सूक्ष्म सिंचाई द्वारा 32.49 लाख हैक्टेयर सिंचित है। राज्य सरकार समस्त सिंचित क्षेत्र को सूक्ष्म सिंचाई अंतर्गत लाने के लिए प्रयासरत हैं। पीडीएमसी के विभिन्न कंपोनेंट यथा बूंद बूंद सिंचाई, फव्वारा, मिनी स्प्रिंकलर का अन्य कार्यक्रमों सोलर पंप, फार्म पॉन्ड, डिग्गी आदि के साथ अभिसरण किया गया है।सूक्ष्म सिंचाई संयंत्रों पर राज्य सरकार द्वारा लघु एवं सीमांत कृषकों,अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिला कृषकों को 75 प्रतिशत और अन्य को 70 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। इस जोनल कॉन्फ्रेंस में गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और राजस्थान सहित पांच राज्यों के कृषि मंत्री, प्रमुख सचिव, सचिव, निदेशक और वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे।

सम्मेलन के अंतर्गत विभिन्न विषयगत सत्रों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें राष्ट्रीय स्तर की प्रमुख योजनाओं एवं मिशनों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन - तिलहन (एनएमईओ-ओएस) के अंतर्गत देश में तिलहन उत्पादन में वृद्धि एवं खाद्य तेलों पर आयात निर्भरता में कमी लाने के उपायों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। मिशन के तहत वर्ष 2030-31 तक उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि, क्षेत्र विस्तार तथा उत्पादकता में सुधार के लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं।

दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के अंतर्गत तुअर, उड़द एवं मसूर की फसलों पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए बीज विकास, क्षेत्र विस्तार, सुनिश्चित खरीद, अनुसंधान एवं मूल्य श्रृंखला विकास से संबंधित विषयों पर चर्चा की जाएगी। यह मिशन देश की पोषण सुरक्षा एवं किसानों की आय वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (एनएमएनएफ) के अंतर्गत रसायन मुक्त एवं पर्यावरण अनुकूल खेती को बढ़ावा देने के प्रयासों की समीक्षा की जाएगी। मिशन के तहत क्लस्टर आधारित दृष्टिकोण अपनाते हुए किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ने तथा जैव-इनपुट के उपयोग को प्रोत्साहित करने पर बल दिया जा रहा है। डिजिटल कृषि मिशन (डीएएम) के अंतर्गत एग्री-स्टैक, डिजिटल किसान डेटाबेस, भूमि अभिलेखों का एकीकरण तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं रिमोट सेंसिंग तकनीकों के उपयोग के माध्यम से कृषि क्षेत्र में पारदर्शिता एवं दक्षता बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की जाएगी। सम्मेलन के दौरान विभिन्न राज्यों द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम कृषि पद्धितयों की प्रस्तुति भी दी जाएगी। इसमें राजस्थान द्वारा माइक्रो इरिगेशन मॉडल, गुजरात द्वारा बागवानी क्षेत्र में नवाचार, महाराष्ट्र द्वारा एग्री-स्टैक के उपयोग, मध्य प्रदेश द्वारा उर्वरक वितरण प्रणाली में सुधार तथा गोवा द्वारा प्राकृतिक खेती से संबंधित पहलें शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, नकली कीटनाशकों एवं उर्वरकों पर नियंत्रण, उर्वरकों की कालाबाजारी

बड़े ई-स्क्रिप साइबर घोटाले का पर्दाफाश

फर्जी डी.एस.सी. से करोड़ों रुपए की हेराफेरी करने वाले पांच बदमाश गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी की साइबर पुलिस ने एक बड़े ई-स्क्रिप साइबर घोटाले का पर्दाफाश करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच मे सामने आया कि आरोपी फर्जी आधार-पैन के जरिए डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट (डीएससी) बनाकर डीजीएफटी-आइसगेट पोर्टल में अनधिकृत लॉगिन करते थे और निर्यातकों के खातों से सरकारी इंसेंटिव स्क्रिप्स चोरी कर बेच देते थे।

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि साइबर थाना पुलिस की विशेष टीम ने सुल्तान खान (जोधपुर), नंद किशोर (जोधपुर), निर्मल सोनी (पाली), अशोक कुमार भंडारी (जोधपुर) और प्रमोद खत्री (जोधपुर) को गिरफ्तार किया है। इनमें चार आरोपी फर्जी डिजिटल सिग्नेचर बनाने में शामिल थे, जबकि एक मुख्य उपयोगकर्ता बताया गया है। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह के अन्य सदस्यों और नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है। मामले में आगे की जांच जारी है। प्रारंभिक जांच में करीब 93 लाख रुपए की स्क्रिप्स चोरी का खुलासा

आरोपी सुल्तान, नंद किशोर, निर्मल सोनी, अशोक भंडारी और प्रमोद खत्री

हुआ है, जबकि 400 से अधिक फर्जी डिजिटल सिग्नेचर के आधार पर यह घोटाला 400 करोड़ रुपए तक पहुंचने की आशंका है। स्पेशल पुलिस कमिश्नर ओम प्रकाश ने बताया कि आरोपियों ने सबसे पहले फर्जी आधार और पैन कार्ड तैयार कर डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट (डीएससी) बनवाए। इसके बाद डीजीएफटी पोर्टल पर लॉगिन कर कंपनियों की ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर और डायरेक्टर प्रोफाइल में बदलाव कर दिया। नई आइसगेट आईडी बनाकर निर्यातकों के खातों में मौजूद आरओडीटीईपी/आरओएससीटीएल स्क्रिप्स को अपने फर्जी आईईसी खातों में ट्रांसफर कर लिया जाता था। इसके बाद इन स्क्रिप्स को दिल्ली में सक्रिय एजेंटों के जरिए बेचकर रकम को म्यूल बैंक खातों में ट्रांसफर कर छुपाया जाता था। जांच में यह भी सामने आया कि फर्जी डीएससी दुबई में डाउनलोड किए जाते थे, जहां से आइसगेट पोर्टल पर लॉगिन कर यह पूरी कार्रवाई की जाती थी।

परिवादी के अनुसार शुरुआत में 17,88,787 रुपए की स्क्रिप्स ट्रांसफर की गई थीं, जबकि जांच में अब तक कुल करीब 93 लाख रुपए की स्क्रिप्स चोरी का खुलासा हो चुका है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि 13 से 15 सदस्यों का गिरोह इस घोटाले में सक्रिय है, जिसने 400 से अधिक फर्जी डिजिटल सिग्नेचर तैयार किए। अधिकारियों के अनुसार, एक खाते से औसतन 1 करोड़ रुपए की हेराफेरी की गई है, जिससे कुल घोटाला 400 करोड़ रुपए तक पहुंचने की आशंका जताई गई है।